

तिलोदक पुं. (तत्.) दे. तिलांजली।

तिलोनी वि. (देश.) फुलेल से सुगंधित।

तिलोरि स्त्री. (देश.) दे. तिलोरी।

तिलौंछना स.क्रि. (देश.) तेल लगाकर चिकना करना।

तिलौंछा वि. (देश.) 1. तेल के स्वाद वाला, चिकना।

तिलौरी स्त्री. (देश.) उर्द या मूँग की दाल की बड़ी जिसमें तिल लगा हो।

तिल्य पुं. (तत्.) तिल का तेल।

तिल्ला पुं. (अर.) कला बत्तू आदि का काम।

तिल्ली स्त्री. (तद्.) 1. प्लीहा 2. तिल।

तिल्व पुं. (तत्.) 1. लोध 2. तिल का तेल।

तिल्वक पुं. (तत्.) 1. लोध 2. तिनिश वृक्ष।

तिवाड़ी पुं. (देश.) दे. तिवारी।

तिवारी पुं. (तद्.) ताना, व्यंग्य।

तिव्यत वि. (तत्.) 1. दिनांकित, जिस पर कोई तिथि डाली गई हो 2. मृत्युदिवस 3. चांद्रमास का एक दिन।

तिष्ट वि. (देश.) बनाया हुआ, रचा हुआ।

तिष्ठद्गु पुं. (तत्.) 1. संध्या, गोधूलि 2. दोहन काल।

तिष्ठन अ.क्रि. (तत्.) ठहरना, टिकना।

तिष्ठा स्त्री. (तत्.) तिस्ता नदी।

तिष्य वि. (तत्.) शुभ, भाग्यशाली, तिष्य नक्षत्र में उत्पन्न।

तिष्यक पुं. (तत्.) पौष का महीना।

तिष्या स्त्री. (तत्.) 1. आमलकी, आँवला 2. चमक, दीप्ति।

तिष्यन वि. (तद्.) तीक्ष्ण।

तिस स्त्री. (तद्.) तृष्णा, लालसा।

तिसना स्त्री. (तद्.) दे. तृष्णा।

तिसरेत पुं. (देश.) 1. तटस्थ, तीसरा व्यक्ति 2. तीसरे भाग का मालिक।

तिसाई स्त्री. (देश.) तीक्ष्णता, तीखापन।

तिसाना अ.क्रि. (देश.) प्यासा होना।

तिसूती वि. (देश.) तीन सूत के ताने का बना हुआ।

तिस्र स्त्री. (देश.) शंख पुष्पी।

तिहत्तर पुं. (तद्.) तिहत्तर की संख्या वि. (तद्.) तीन अधिक सत्तर (73)।

तिहरा पुं. (देश.) तेहरा स्त्री. (देश.) दही जमाने का मिट्टी का बर्तन।

तिहराना स.क्रि. (देश.) तीसरी बार करना।

तिहरी स्त्री. (देश.) तीन लड़ियों की माला।

तिहा पुं. (तद्.) 1. रोग 2. धनुष 3. चावल।

तिहाई पुं. (तद्.) तीसरा भाग।

तिहाड पुं. (देश.) दे. तिहाव।

तिहार सर्व. (देश.) दे. तुम्हारा।

तिहारा सर्व. (देश.) दे. तुम्हारा।

तिहारो सर्व. (देश.) दे. तुम्हारा।

तिहाव पुं. (तत्.) 1. क्रोध, गुस्सा, रोष 2. अनबन, बिगाड़।

तिहि सर्व. (देश.) दे. तेहि।

तिहुँ वि. (देश.) तीन, तीनों।

तिहुँलोक पुं. (देश.) तीन लोक-स्वर्ग, पृथ्वी लोक, पाताल लोक।

तिहैया पुं. (तत्.) तीसरा भाग, तिहाई।

तीरंदाजी स्त्री. (फा.) तीर चलाने की विद्या या क्रिया।

ती स्त्री. (तद्.) 1. स्त्री 2. पत्नी।